Shodh Sari-An International Multidisciplinary Journal

@2024 International Council for Education Research and Training
2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
ISSN: 2959-1376
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

विकसित भारत@2047

कुमार, पवन[1], कुमारी, मीरा[2]

[1]सहायक प्राध्यापक-हिंदी, पी जी डी ए वी (सांध्य) कॉलेज, नेहरु नगर, नई दिल्ली

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

[2]शोध छात्रा, हिंदी विभाग, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

शोध सारांश

विकसित भारत@2047 भारत सरकार का दूरदर्शी दृष्टिकोण है, जिसका उद्देश्य 2047 तक यानि अपनी आज़ादी के 100वें वर्ष तक, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। यह दृष्टिकोण आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल करता है। आज हमारा भारत अपने विकास पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है और वर्तमान भारत के भारतीयता का स्वाभिमान जागृत हो रहा है जिसमें समर्पण और विश्वास, इच्छाशक्ति,क्षमता, प्रतिभा के साथ दृढ़ निश्चय भी है। इस क्षमता एवं प्रतिभा को साकार करने के लिए अवसर की आवश्यकता होती है। 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए मिशन मोड में बहुत बड़ा काम करने की जरूरत है। ऐसा करने के लिए, एक साहसिक, महत्वाकांक्षी और परिवर्तनकारी एजेंडा तैयार करने और सभी हितधारकों तक इसके संचार की आवश्यकता है। युवाओं की भूमिका, जो हमारे सबसे बड़े जनसंख्या समूह का गठन करते हैं, की यहां बहुत बड़ी भूमिका है क्योंकि वे 2047 तक भारत को विकासशील भारत की ओर ले जाएंगे। इसके अंतर्गत निम्मलिखित पहलुओं को सम्मिलित करने का प्रस्ताव है- सशक्त भारतीय (शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल,

@2024 International Council for Education Research and Training 2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
ISSN: 2959-1376 DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

नारी शक्ति, देखभाल करने वाला समाज, संस्कृति), संपन्न और टिकाऊ अर्थव्यवस्था (कृषि, उद्योग, सेवाएँ, बुनियादी ढाँचा, ऊर्जा, हरित अर्थव्यवस्था, शहर), नवाचार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (अनुसंधान एवं विकास, डिजिटल, स्टार्टअप), सुशासन एवं सुरक्षा और विश्व में भारत को अग्रणी देश रूप में स्थापित करने की पूर्ण योजना है ।

प्रमुख शब्द: विकसित, भारत, सशक्त, भारतीय, शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, नारी शक्ति, संस्कृति, अर्थव्यवस्था, कृषि, उद्योग, सेवाएँ, बुनियादी ढाँचा, ऊर्जा, नवाचार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सुशासन, सुरक्षा

शोध क्षेत्र का परिसीमन

प्रस्तुत शोध पत्र का विषय अत्यंत व्यापक है जिसमें विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर विचार एवं अध्ययन किये जाने की अपार संभावनाएँ विद्यमान हैं, मैंने अपने शोध पत्र में विकसित भारत@2047 में विकसित और विकासशील भारत का तुलनात्मक अध्ययन किया है।

विषय विस्तार

विकसित देश के मानदंड क्या हों? जीडीपी का स्तर ऊंचा होना, प्रति व्यक्ति आय ज्यादा होना, और अपनी जरूरतों को स्वयं पूरा करने की क्षमता इत्यादि को आधार बनाकर विकसित देशों के विषय में बात की जाती है। इन्ही मानदंडो सहित अन्य सूचकांकों को आधार बनाकर अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, रूस, इटली को विकसित देशों की श्रेणी में गिना जाता है। विकासशील देश उन देशों को कहा जाता है जो अभी विकसित नहीं हो पाए यानि विकास का प्रारंभ हो चुका होता है और वह विकसित होने की प्रक्रिया वाला देश होता

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

है। मुख्य रूप से विकासशील देशों में लोगो की प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी विकसित देशों की तुलना में कम होती है। विकासशील देशों में भारत, दक्षिण अफ्रीका इत्यादि देश आते हैं। विकासशील देशों में तेज तकनीकी विकास के साथ साथ शिक्षा पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जाता है, विकासशील देशों मे आय का असमान वितरण होता है और गरीब और अमीर नामक एक गहरी खाई होती है तथा विकसित देशों में लोगों की आय में सामान्यतः अधिक अंतर विद्यामान नहीं होता है।

विकसित और विकासशील देश

विकसित और विकासशील देशों के विभाजन का मूल आधार वित्त ही है, परन्तु यह सर्वमान्य मत नही है।विश्व बैंक ने समस्त देशों को जी एन आई को आधार बनाकर चार आय समूहों में वर्गीकृत किया है- न्यून आय, न्यून मध्य आय, उच्च मध्य आय और उच्च आय। 1 जुलाई 2022 को नदा हमादेह, कैथरीन वैन रोम्पेय, एरिक और श्वेता द्वारा जारी रिपोर्ट्स के अनुसार आय के वर्गीकरण में- "1085 यू एस डी तक न्यून आय, 1086 से 4,2055 यू एस डी तक न्यून मध्य आय, 4256 से 13205 यू एस डी तक उच्च-मध्य आय तथा 13205 से ऊपर यू एस डी को उच्च आय वर्ग की श्रेणी घोषित किया है।"1

एक विकसित देश औद्योगीकृत होता है जबकि विकासशील देश औद्योगीकरण की प्रक्रिया में होता है। आर्थिक विकास की मात्रा के मूल्यांकन के प्रमुख मानदण्डो में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) यानि एक वर्ष में किसी देश में उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का मौद्रिक मूल्य का आंकलन करना शामिल है। उच्च सकल घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय वाले देशों को विकसित माना जाता है। मनोरंजन, वित्तीय और खुदरा विक्रेताओं जैसी सेवाएँ प्रदान करने वाली कंपनियाँ को उद्योग के तृतीयक

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

क्षेत्र में शामिल किया जाता है तथा उद्योग के चतुर्थ क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान और विकास, साथ ही परामर्श सेवाएँ और शिक्षा इत्यादि ज्ञान क्षेत्रों को सम्मिलित किया जाता है।तृतीयक और चतुर्थ क्षेत्र का प्रभुत्व होने के कारण विकसित के रूप में स्वीकार किया जाता है। विकसित देशों में सामान्यतः उन्नत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाएँ होती हैं, जिससे सेवा क्षेत्र औद्योगिक क्षेत्र की तुलना में अधिक धन प्रदान करता है। मानव के विकास के अनेक सूचकांक विश्व में प्रचलित है जिनमें जीवन स्तर के सामान्य मानक और मानव विकास सूचकांक सम्मिलित है।विकासशील देशों की तुलना में विकसित देशों में प्रति व्यक्ति उच्च सकल घरेलू उत्पाद, उच्च साक्षरता दर, उन्नत बुनियादी ढांचा, उच्च जीवन प्रत्याशा, कम जनसंख्या वृद्धि, उच्च मानव विकास सूचकांक, स्थिर राजनितिक संरचनाएँ,उन्नत प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, विविधिकृत अर्थव्यवस्था, तृतीयक एवं चतुर्थक क्षेत्रों में प्रभुत्व पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

भारत के बढ़ते कदम 1947 **से** 2047 **की ओर**

- सकल घरेलू उत्पाद (GDP)
  - भारत की GDP वर्ष 1950-51 में 2.79 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2023-24 में अनुमानित 171.79 लाख करोड़ रुपए हो गई।
  - भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में 3.73 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की है और वर्ष 2023 भारत यूनाइटेड किंगडम को पछाड़कर दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।
  - वर्ष 2029 तक भारत विश्व कि तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है।
- विदेशी मुद्रा:
  - “भारत का विदेशी मुद्रा भंडार वर्ष 1950-51 में 911 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2023 में 620.44 अरब डॉलर हो गया है।” 2
  - अब भारत के पास दुनिया का चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है।

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

- खाद्य उत्पादन:
  - भारत का खाद्यान्न उत्पादन 1950-51 में 50.8 मिलियन टन से बढ़कर अब 3305.34 लाख टन से अधिक हो गया है।
- साक्षरता दर:
  - "साक्षरता दर भी वर्ष 1951 में 18.3% से बढ़कर 77.7% हो गई है। महिला साक्षरता दर 8.9% से बढ़कर 68% से अधिक हो गई है।"3

उपसंहार

विकसित भारत@2047 का उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति के सौ वर्ष पूर्ण होने पर अर्थात 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन के साथ विकास के विभिन्न मानदंडो को सम्मिलित किया गया है।

'विकसित भारत' का औपचारिक घोषणा होना अत्यंत महत्त्वपूर्ण का विषय है। 'विकसित भारत' के तहत आर्थिक विकास पर अत्यधिक बल दिया गया है।विकास के प्राथमिक मापकों के रूप में सकल घरेलू उत्पाद तथा औद्योगीकरण जैसे पारंपरिक आर्थिक संकेतकों का उपयोग किया जाता है।

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत @**2047:** युवाओं की आवाज' कार्यशाला में देश के विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि "यह भारत के इतिहास का वह दौर है जब देश लंबी छलांग लगाने जा रहा है।"आइडिया' शब्द की शुरुआत 'आई' अक्षर यानी 'मैं' से होती है, जैसे 'भारत' की शुरुआत 'आई' अक्षर यानी 'मैं' से होती है, विकास के प्रयास स्वयं से शुरू होते हैं" उन्होंने विकसित भारत **2047** के लक्ष्य को पूरा करने में देश के युवाओं का मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी संभालने वाले सभी

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

हितधारकों को एक साथ लाने में उनके योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला और कहा कि कोई देश अपने लोगों के विकास से ही विकसित होता है।

स्वामी विवेकानंद जी ने विश्व को भारत की महानता का बोध अपने शिकागो भाषण में किया था और विश्व को दिशा देने का कार्य किया था।स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि- "विश्व की समस्त शक्तियाँ हमारी हैं, हमने अपने हाथ अपनी आँखों पर रख लिए हैं और चिल्लाते हैं कि चारो ओर अँधेरा है।जान लो कि हमारे चारों ओर अँधेरा नहीं है, अपने हाथ अलग करो, तुम्हे प्रकाश दिखाई देने लगेगा, जो पहले भी था।अँधेरा कभी नहीं था, कमजोरी कभी नहीं थी।"4 ज्ञान,विज्ञान, अध्यात्म, योग, भक्ति में हम विश्व में सबसे आगे थे परन्तु दासता के कालखंड में हम आत्म गौरव से शून्य होकर स्वयं को भुला बैठे हैं। हमें जागृत होना होगा और भटके हुए विश्व का मार्गदर्शन करना होगा, सही दिशा एवं नेतृत्व प्रदान करना होगा। विश्व शांति के सन्देश को केवल भारत ही देता रहा है और सम्पूर्ण विश्व को परिवार मानता रहा है। "समस्त संसार हमारी मातृभूमि का महान ऋणी है।किसी भी देश को ले लीजिये, इस जगत में एक भी ऐसी जाति नहीं, जिसका संसार उतना ऋणी हो जितना कि वह यहाँ के धैर्यशील और विनम्र हिन्दुओं का है।"5

विश्व शांति के सन्देश को केवल भारत ही देता रहा है और सम्पूर्ण विश्व को परिवार मानता रहा है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्"।

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

@2024 International Council for Education Research and Training
ISSN: 2959-1376
2024, Vol. 03, Issue 02, 253-259
DOI: https://doi.org/10.59231/SARI7701

(तैत्तिरीय उपनिषद्)

भारत की विश्व को देखने की दृष्टि विश्व बंधुत्व की है-

अयं निजः परो वेति गणना लघु चेतसाम् ।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् ।6

(महोपनिषद्, अध्याय ६, मंत्र ७१)

अर्थात् यह मेरा है ,यह उसका है ; ऐसी सोच संकुचित चित्त वोले व्यक्तियों की होती है; इसके विपरीत उदारचरित वाले लोगों के लिए तो यह सम्पूर्ण धरती ही एक परिवार जैसी होती है ।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. https://blogs.worldbank.org/opendata/new-world-bank-country-classifications-income-level-2022-2023
2. https://www.amarujala.com/business/business-diary/india-s-forex-reserves-rose-by-usd-58-billion-cumulatively-in-2023-2023-12-31
3. https://www.geeksforgeeks.org/state-wise-literacy-rate-in-india/
4. शक्तिदायी विचार, स्वामी विवेकानंद, अनुवादक- कृष्ण लाल हंस, भारतीय साहित्य संग्रह, पृष्ठ संख्या 6, संस्करण 2014
5. शक्तिदायी विचार, स्वामी विवेकानंद, अनुवादक- कृष्ण लाल हंस, भारतीय साहित्य संग्रह, पृष्ठ संख्या 15, संस्करण 2014
6. महोपनिषद्, अध्याय ६, मंत्र ७१

Received on Jan 10, 2024
Accepted on Feb 24, 2024
Published on April 01, 2024

विकसित भारत@2047 © 2024 by Shodh Sari-An International Multidisciplinary Journal is licensed under CC BY-NC-ND 4.0